# प्रशिक्षण सह कार्यशाला

## मत्स्य पालन एवं संरक्षण : आदिवासियो की आजीविका का साधन

**(11–14 दिसम्बर, 2017)**

## जलकृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण इकाई

## भाकृअनुप–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ

भाकृअनुप–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ क जलकृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण इकाई, चिनहट, लखनऊ, उ0प्र0 पर अशोक नगर, मध्य प्रदेश के जनजातियों के आजीविका के अवसर हेतु मत्स्य पालन एवं संरक्षण विषय पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11–14 दिसम्बर, 2017 को किया गया। कुल 33 जनजातीय कृषको को कक्षा, प्रयोगशाला एवं प्रक्षेत्र आधारित प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रमो से अवगत कराया गया। उन्होने संस्थान के गंगा मीनालय में भम्रण कर अपने ज्ञान को बढ़ाया एवं संस्थान के स्थापना सह नवाचार दिवस में भाग लिया। मत्स्य पालन एवं संरक्षण के द्वारा कृषकों की आय दुगुनी करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भी अपनी उपस्थिती दर्जकर वैज्ञानिक–कृषक विचार–विमर्श में भाग लिया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला के समापन समारोह को डॉ एस.डी. सिंह पूर्व सहा0 महा निदेशक (अन्तःस्थलीय मात्स्यिकी), भाकृअनुप, नई दिल्ली ने मुख्य अतीथि के रूप में सम्बोधित किया। मानव संसाधन विकास में जलकृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण इकाई, चिनहट के प्रयासों की सराहना की तथा प्रेरणात्मक विचारो से विभिन्न जलकृषि क्रियाओं एवं भारत सरकार तथा राज्य सरकार की योजनाओं के द्वारा जनजातियों के आजीविका में सुधार पर बल दिया।

# Training cum Workshop
**on**
**Fish Culture and Conservation: An option for livelihood of tribal's**
**(11-14 December, 2017)**
## ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow

ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (NBFGR), Lucknow organized short term training cum workshop on **Fish Culture and Conservation: An option for livelihood of tribal's** of Ashok Nagar, Madhya Pradesh during 11-14 December, 2017 at **Aquaculture Research and Training Unit**, Chinhat, Lucknow, Uttar Pradesh. A total of 33 tribal farmer were imparted on campus training on different aspects of aquaculture for up liftment of livelihood of tribal's. Apart from theory classes, laboratory demonstration and exercises were exposed to them. Field visit to the fish farm and Ganga aquarium of the institute were arranged to expose the trainees for their knowledge upgradation. They have also participated in the 34$^{th}$ Foundation cum Innovator Day celebration of the Institute. A workshop on Doubling Fish Farmer Income through Fish Culture and Conservation was also attended by the tribal farmer. Dr. S. D. Singh former Assistant Director General (Inland Fishery) ICAR, New Delhi grace the concluding function of the training cum workshop as chief guest. He praised the HRD activities of the ARTU, Chinhat ICAR-NBFGR and motivated farmers for their livelihood upliftment through various activities of aquaculture and different GoI and State scheme.